भजन

पूर्णमाशी रात सुहानी,बैठे रंग मोहोल की चांदनी
अपनी रूहें साथ लेकर,धाम धनी..

1-नूर भरी बैठक यहाँ पर बनी है,शीतल चन्द्रमा की चांदनी है
खुशबू देते सुन्दर बगीचे,चारों तरफों जल चेहेबच्चे
महकी है फुलवारियां....

2- नूर से भरपूर चांद सितारे,मोतियों जैसे जल फव्वारे
कलश गुम्मटीयां और कंगूरे,दिल लुभाते गुर्ज नूर के
खूबी है खूब वहां...

3-बाग बन फैले हैं दूर-2 तक,सागर जिमी पुखराज माणिक
सारे निजघर के नजारे,पख पच्चीस हैं जो हमारे
आते हैं नजरों यहां...

4-झिलमिल करता नूर सिहाँसन,शोभित है यहाँ दूल्हा दुल्हन
लेके सनमुख रूहें अपनी,देते अमीरस आप धनी जी
सुखदाई है ये समां....